बिहार बंगाली समिति ने मनाई विद्यासागर की पुण्यतिथि

भास्कर न्यूज | पूर्णिया

बिहार बंगाली समिति के सदस्यों ने युग पुरूष ईश्वर चंद्र विद्यासागर की 129वीं पुण्यतिथि मनाई। कार्यक्रम की शुरुआत सुष्मिता भट्टाचार्य के संगीत के साथ हुई और उपस्थित सदस्यों ने विद्यासागर के तैल चित्र पर पुष्प अर्पित किए।

इसके बाद विद्यासागर जीवन और कृति विषय पर परिचर्चा में भाग लेते हुए दयाल चंद्र गोस्वामी ने कहा कि विद्यासागर ने तत्कालीन समाज में अंधविश्वास, कुसंस्कार और कुरीतियों के खिलाफ लड़ाई कर इसे जड़ से मिटाने का प्रयास किया। समिति के अध्यक्ष अजय सान्याल ने कहा कि करुणा और दया के सागर विद्यासागर दानवीर कर्ण की तरह थे जिनका दरवाजा असहायों के लिए हमेशा खुला रहता था। इस अवसर पर चैताली सान्याल ने कहा कि नारियों की असहाय स्थिति, विधवा विवाह खास कर बाल विधवाओं के यंत्रणा को हृदय से अनुभव कर उनके जीवन को नया आयाम देने का प्रयास किया।

परिचर्चा में अंजान मुखर्जी, मीठू शॉ, उत्पल मुखर्जी, अतनु मित्रा आदि ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर नारायण चंद्र दास, कार्तिक चंद्र दास, प्रशांत चक्रवर्ती, शान्तनु घोष, शेखर चंद्र वैरागी, तापति साह, रवींद्र कुमार नहा भी उपस्थित थे।

Scanned by CamScanner